नईदुनिया



आइसेनकोट ने नेतन्याहू के भाषण को नफरत भरा बताया, अरब पार्टियों ने उन्हें नस्लवादी ठहराया

यरुशलम (इजराइल)

कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने नई नेसेट (संसद) में तीखा भाषण दिया। उनके भाषण को नई सरकार बनाने जा रहे यशार पार्टी के नेता गादी आइसेनकोट ने नफरत से भरा करार दिया। अरब पार्टियों ने तंज कसते हुए उन्हें नस्लवादी ठहराया। बेंजामिन नेतन्याहू ने राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने का आह्वान किया। साथ ही अरब पार्टियों पर इजराइल को नष्ट करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। अपने राजनीतिक विरोधियों को चेतावनी दी कि वे सरकार बनाने के लिए अरब पार्टियों के समर्थन पर निर्भर न रहें। द टाइम्स आफ इजराइल और द यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, गादी आइसेनकोट ने कहा कि नेतन्याहू का भाषण यह साबित करता है कि वे इस पद पर बने रहने के लायक नहीं हैं। अरब सांसदों ने कहा कि उनके भाषण ने उन्हें नेतन्याहू को सत्ता से हटाने के लिए और भी अधिक दृढ़ बना दिया है। पिछले महीने हुए चुनाव में संसदीय बहुमत खोने के बाद और राष्ट्रपति इसाक हर्जोग के आइसेनकोट को सरकार बनाने का जनादेश सौंपे जाने के बाद नेतन्याहू ने अपने भाषण में वही पुराना अभियान जारी रखा जो उन्होंने चुनाव के दौरान चलाया था। उन्होंने अरब पार्टियों को अवैध ठहराने और उन्हें आतंकवाद का समर्थक बताने की कोशिश की। भाषण के दौरान विपक्षी सांसदों ने बार-बार नेतन्याहू को टोका। उन्होंने नेतन्याहू के सहयोगियों के कतर के साथ कथित संबंधों पर जवाब मांगा और 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के नरसंहार की जांच के लिए एक सरकारी आयोग गठित करने से इनकार करने पर सवाल उठाए। नई नेसेट के शपथ ग्रहण के बाद नेतन्याहू ने अपना भाषण शुरू किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईरान के साथ दो युद्ध लड़ने के बावजूद इजराइल को अभी भी खतरा बना हुआ है। नेतन्याहू ने कहा, ईरान के परमाणु कार्यक्रम से पैदा हुए तत्काल अस्तित्व के खतरे को टालने के बाद वह अब इस कार्यक्रम को फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहा है। इस खतरे को स्थायी रूप से खत्म करने का एकमात्र तरीका अयातुल्लाओं के शासन को उखाड़ फेंकना है। उन्होंने 7 अक्टूबर, 2023 के नरसंहार के बाद हुए युद्धों में अपनी उपलब्धियों को गिनाते हुए दावा किया, हमने मध्य पूर्व की तस्वीर बदल दी है। देश के सामने मौजूद खतरों के बीच नेतन्याहू ने प्रस्ताव रखा, हमें सब कुछ एक तरफ रखकर राष्ट्रीय एकता सरकार बनानी चाहिए। इस बीच राअम पार्टी के चेयरमैन और सांसद मंसूर अब्बास ने को एन 12 चैनल को दिए एक इंटरव्यू में यह कहकर सनसनी फैला दी कि आपरेशन गार्जियन आफ द वाल्स के दौरान 2021 में बालफोर स्ट्रीट स्थित आधिकारिक आवास पर हुई एक मुलाकात में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उनसे कहा था कि वे हमास के तत्कालीन नेता याह्या सिनवार पर भरोसा करते हैं।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान का सी-5 परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्वच्छ बिजली और ऊर्जा सुरक्षा का प्रतीकः शहबाज शरीफ



इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि सी-5 (चश्मा-5) परमाणु ऊर्जा संयंत्र पाकिस्तान के लोगों के लिए स्वच्छ बिजली और ऊर्जा सुरक्षा का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने प्रसारित एक कार्यक्रम में यह बात कही। यह कार्यक्रम मियांवाली के पास सी-5 संयंत्र में डोम (गुंबद) लगाने के अवसर पर आयोजित किया गया । डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी प्रेस विज्ञप्ति में इसे पाकिस्तान परमाणु ऊर्जा आयोग के लिए बड़ी उपलब्धि बताया गया है। इसमें कहा गया है कि सी-5 परियोजना की बिजली उत्पादन क्षमता 1,200 मेगावाट होगी और उम्मीद है कि सितंबर 2030 से यहां बिजली उत्पादन शुरू हो जाएगा। प्रधानमंत्री शहबाज ने कहा कि भले ही यह ढांचा कंक्रीट और स्टील से बना हो, लेकिन यह स्वच्छ, भरोसेमंद और सस्ती बिजली का वादा है। प्रधानमंत्री शहबाज ने याद दिलाया कि जुलाई 2023 में जब वे इस जगह पर शिलान्यास करने आए थे, तब उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान किसी का इंतजार नहीं करेगा, बल्कि अपनी कड़ी मेहनत और अथक प्रयासों से अपना भविष्य खुद बनाएगा।

बिग बेंड में सीमा दीवार निर्माण को सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी से विरोधियों में छाई निराशा

वाशिंगटन। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को टेक्सास के बिग बेंड क्षेत्र में



सीमा दीवार का निर्माण फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी है। यह निर्णय उन सभी विरोधियों के लिए एक बड़ा झटका है, जिसमें रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों प्रमुख दलों के नेता शामिल हैं, जो परियोजना को सरकारी धन की बर्बादी और क्षेत्र के प्राकृतिक सौंदर्य के लिए खतरा बता रहे हैं। सीमा दीवार का निर्माण राष्ट्रपति ट्रंप की प्रमुख चुनावी प्रतिज्ञाओं में से एक रहा है, जो प्रशांत महासागर से लेकर मैक्सिको की खाड़ी तक अमेरिका की दक्षिणी सीमा को सुरक्षित करने का वादा करते रहे हैं। बिग बेंड क्षेत्र के भू-स्वामियों, लोकल कारोबारियों, पर्यावरण संरक्षण कार्यकर्ताओं और निर्माण का विरोध कर रहे अन्य लोगों ने न्यायालय के फैसले पर गहरी निराशा जाहिर की है। 'सेंटर फॉर बायोलॉजिकल डायवर्सिटी के प्रमुख ने गहरी चिंता व्यक्त कर कहा कि यह फैसला ठेकेदारों को अनछुए रेगिस्तानी इलाकों को बुलडोजर से रौंदने और घाटियों की चट्टानों को विस्फोट से उड़ाने का रास्ता खोलता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह प्रक्रिया टेक्सास के सबसे अनूठे प्राकृतिक क्षेत्र को हमेशा के लिए तबाह कर सकती है, जबकि अदालतों ने अभी तक इसकी कानूनी वैधता तय नहीं की है। बीते साल अमेरिकी संसद में रिपब्लिकन सदस्यों द्वारा परियोजना के लिए 4.6 अरब अमेरिकी डॉलर की राशि मंजूर की थी। इसके बाद सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा एजेंसी (सीबीपी) ने अवैध आव्रजन और तस्करी रोकने के उद्देश्य से निर्माण कार्य तेज किया है।

50 साल से तुर्कमेनिस्तान में धधकती ज्वाला अब पड़ रही है कमज़ोर

अश्गाबात। तुर्कमेनिस्तान के कराकुम रेगिस्तान को दुनिया गेट टू हेल यानी नरक का दरवाजा कहती है।



यहां मौजूद कुछ जगहें किसी रहस्य से कम नहीं हैं, जिनके बारे में जानकर यकीन करना मुश्किल हो जाता है। यहां जमीन के बीचोंबीच एक विशाल गड्ढा है, जिसमें लगातार आग की लपटें उठती रहती हैं। रात के अंधेरे में इसका नजारा किसी दूसरी दुनिया जैसा दिखाई देता है। इस रहस्यमयी जगह का असली नाम दारवाजा गैस क्रेटर है। यह तुर्कमेनिस्तान के दारवाजा गांव के पास स्थित है और स्थानीय स्तर पर इसे शाइनिंग आफ कराकुम के नाम से भी जाना जाता है। यह कोई ज्वालामुखी नहीं है, बल्कि प्राकृतिक गैस के कारण जलता हुआ एक विशाल गड्ढा है। इसकी आग और रहस्यमयी रूप ने इसे दुनियाभर में मशहूर बना दिया है। इस अनोखी जगह की कहानी साल 1971 से शुरू होती है। उस समय सोवियत संघ के भूवैज्ञानिक कराकुम रेगिस्तान में प्राकृतिक गैस की तलाश कर रहे थे। इसी दौरान जमीन के नीचे मौजूद गैस का भंडार अचानक धंस गया। देखते ही देखते वहां एक बड़ा गड्ढा बन गया। गड्ढा बनने के बाद उससे लगातार प्राकृतिक गैस बाहर निकलने लगी, जिससे आसपास के वातावरण में जहरीली गैस फैलने का खतरा पैदा हो गया। माना जाता है कि वैज्ञानिकों ने गैस को जलाने का फैसला किया, ताकि वह वातावरण में फैलने के बजाय आग में जल जाए। उन्हें उम्मीद थी कि कुछ सप्ताह में गैस खत्म हो जाएगी और आग अपने आप बुझ जाएगी। लेकिन वैज्ञानिकों का अनुमान गलत साबित हुआ। आग कुछ सप्ताह में बुझने के बजाय दशकों तक जलती रही।

आरोरा की रंगबिरंगी खूबसूरत रोशनी के पीछे का ये है विज्ञान

हेलसिंकी

क्या आपने कभी सोचा है कि आसमान में दिखने वाली आरोरा (ध्रुवीय ज्योति) की खूबसूरत रोशनी असल में सूरज और पृथ्वी के बीच होने वाली एक बड़ी प्राकृतिक हलचल का नतीजा है आरोरा अपने आप में खतरनाक नहीं है। यह एक प्राकृतिक रोशनी है, जो तब पैदा होती है जब सूरज से आने वाले आवेशित कण पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र के संपर्क में आते हैं। सूरज लगातार आवेशित कणों को अंतरिक्ष में छोड़ता रहता है। जब इन कणों की बड़ी मात्रा पृथ्वी की ओर आती है, तो वे पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र से टकराते हैं। पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र इन कणों को ध्रुवों की ओर मोड़ने में मदद करता है। इसके बाद ये कण पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल में मौजूद आक्सीजन और नाइट्रोजन जैसी गैसों से टकराते हैं। इस टक्कर के दौरान ऊर्जा निकलती है और आसमान में अलग-अलग रंगों की रोशनी दिखाई देने लगती है। इसी प्राकृतिक घटना को आरोरा कहा जाता है। आक्सीजन से आमतौर पर हरे और लाल रंग की रोशनी दिखाई दे सकती है, जबकि नाइट्रोजन की वजह से नीले और बैंगनी रंग भी नजर आते हैं।

रंगों का यह खेल इस बात पर निर्भर करता है कि वायुमंडल में कौन-सी गैस मौजूद है और टक्कर कितनी ऊंचाई पर हो रही है। हालांकि, आरोरा को सीधे तौर पर इंसानों के लिए खतरनाक नहीं माना जाता है, लेकिन इसके पीछे होने वाला शक्तिशाली भू-चुंबकीय तूफान चिंता की वजह बन सकता है। ऐसे तूफान के दौरान पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र में हलचल होती है, जिसका असर उन तकनीकों पर पड़ सकता है, जिन पर आज हमारी रोजमर्रा की जिंदगी काफी हद तक निर्भर है। ये तूफान सैटेलाइट, जीपीएस, रेडियो कम्युनिकेशन और बिजली के ग्रिड नेटवर्क में गड़बड़ी पैदा कर सकते हैं। आमतौर पर आरोरा पृथ्वी के उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों के आसपास दिखाई देता है, क्योंकि पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र आवेशित कणों को इन्हीं क्षेत्रों की ओर ले जाता है। भारत में सामान्य परिस्थितियों में आरोरा दिखाई देने की संभावना बेहद कम है। लेकिन अगर सूरज से बहुत शक्तिशाली सौर तूफान आए, तो आरोरा अपनी सामान्य सीमा से काफी दूर तक फैल सकता है। ऐसी स्थिति में कम अक्षांश वाले क्षेत्रों में भी इसे देखने का मौका मिल सकता है।



पृथ्वी से देखने पर आरोरा आसमान में लहराती रंगीन रोशनी जैसा नजर आता है, लेकिन अंतरिक्ष से इसका नजारा और भी अद्भुत होता है। यह पृथ्वी के चारों ओर फैले हरे, लाल और बैंगनी रंग के चमकते पर्दों जैसा दिखाई देता है। ये रोशनी वायुमंडल के ऊपरी हिस्से में सैकड़ों किलोमीटर तक फैली हो सकती हैं। कुल मिलाकर, आरोरा सिर्फ आसमान की खूबसूरती नहीं, बल्कि सूरज, पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र और वायुमंडल के बीच होने वाली एक विशाल प्राकृतिक प्रक्रिया का नतीजा है। मालूम हो कि रात के अंधेरे में आसमान अचानक हरे, गुलाबी, लाल और बैंगनी रंगों चमकने वाले इस आरोरा को देखने के लिए दुनिया भर से लोग नार्वे, फिनलैंड और आइसलैंड जैसे देशों का रुख करते हैं।

फिनलैंड ने शुरु किया फिनिश डिनर डेट अभियान

हेलसिंकी। दुनिया के सबसे खुशहाल देश फिनलैंड के राष्ट्रीय पर्यटन बोर्ड विजिट फिनलैंड ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिनिश डिनर डेट नाम से एक खास अभियान शुरू किया है। दुनियाभर से चुने गए 16 सिंगल लोगों को इस अभियान के तहत फिनलैंड की पूरी तरह से मुफ्त और प्रायोजित यात्रा पर बुलाया जाएगा। इस यात्रा के दौरान चयनित लोगों को वहां के बेहतरीन खान-पान का आनंद लेने के साथ-साथ अपना जीवनसाथी या नया साथी खोजने का सुनहरा अवसर मिलेगा। पर्यटन बोर्ड द्वारा जारी विवरण के अनुसार, चुने गए 16 अविवाहित प्रतिभागियों को 9 से 19 फरवरी 2027 के बीच फिनलैंड की यात्रा कराई जाएगी। इस 10 दिवसीय दौरे पर प्रतिभागियों की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों, लक्जरी होटलों में ठहरने, भोजन और सभी तरह की स्थानीय यात्राओं का शत-प्रतिशत खर्च फिनलैंड की सरकार और पर्यटन विभाग द्वारा उठाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य दुनिया को फिनलैंड की अनूठी खाद्य संस्कृति और वहां के शांत व खुशहाल जीवन जीने की शैली से रूबरू कराना है। इस मुफ्त यात्रा का सबसे मुख्य आकर्षण ग्रुप ब्लाइंड डिनर डेट्स होंगी। फिनलैंड के प्रसिद्ध शहरों हेलसिंकी और टाम्पेरे में विशेष रात्रिभोज आयोजित किए जाएंगे, जहाँ विदेशी मेहमानों की मुलाकात फिनलैंड के स्थानीय सिंगल पुरुषों और महिलाओं से कराई जाएगी। इन डिनर डेट्स में फिनलैंड के शीर्ष शेफ द्वारा तैयार पारंपरिक व्यंजन जैसे ताजी जंगली मछलियां, प्राकृतिक बेरीज और जंगलों से एकत्र किए गए विशेष मशरूम परोसे जाएंगे।

ईरान की धमकी के बीच अमेरिकी वित्त सचिव बेसेंट को घर से मिलिट्री बेस ले जाया गया



वाशिंगटन (अमेरिका)

ईरान से मिली जान से मारने की धमकी के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका के वित्त सचिव स्काट बेसेंट हाल ही में अपना घर छोड़कर एक मिलिट्री बेस पर चले गए हैं। यह जानकारी रखने वाले तीन लोगों ने अपनी पहचान न उजागर करने की शर्त पर यह संवेदनशील जानकारी दी। बताया गया है कि हाल के हफ्तों में अमेरिकी अधिकारियों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि मौजूदा और पूर्व अमेरिकी अधिकारियों के खिलाफ ईरान की साजिशें अब और गंभीर चरण में पहुंच गई हैं। इसमें बेसेंट को मिली धमकी से जुड़ी खुफिया जानकारी भी शामिल है।

द न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट में यह रहस्योद्घाटन करते हुए बताया गया है कि अगस्त से बेसेंट एक ऐसे आर्थिक दबाव अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसका मकसद ईरान को कड़े प्रतिबंधों और व्यापार मार्गों पर रोक लगाकर आर्थिक रूप से अलग-थलग करना है। इन लोगों के अनुसार, इस भूमिका की वजह से वह प्रशासन के उन अधिकारियों में शामिल हो गए हैं, जिन्हें ईरान सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाना चाहता है।

उन्हें मिली धमकियां कितनी गंभीर हैं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका और विदेश में बड़े पैमाने पर हमले करने की ईरान की क्षमता सीमित है। लेकिन, ईरान की ओर से कुछ खास लोगों को निशाना बनाने की ऐसी धमकी भी मिली हैं जिन्हें अमेरिकी अधिकारी गंभीर मानते हैं। उदाहरण के लिए, 2024 के चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या की साजिश रची गई थी।

वित्त विभाग के एक प्रवक्ता ने अपने बयान में कहा कि बेसेंट ईरानी शासन की धमकियों से डरने वाले नहीं हैं। वह ईरान की अर्थव्यवस्था पर दबाव डालने वाले अभियान को जारी रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। न्यूयार्क टाइम्स का मानना है कि बेसेंट ट्रंप प्रशासन के ऐसे नवीनतम वरिष्ठ अधिकारी हैं, जिन्होंने वाशिंगटन क्षेत्र स्थित अपना घर छोड़कर किसी सैन्य अड्डे या अन्य सुरक्षित आवास में जाना चुना है। पिछले साल कम से कम आधा दर्जन अधिकारियों ने ऐसा ही किया था। इनमें स्टीफन मिलर (जो अब व्हाइट हाउस के चीफ आफ स्टाफ हैं) और पैम बान्डी (जो उस समय अटार्नी जनरल थीं) शामिल हैं।

हूतियों से जंग में सीरिया नहीं देगा सऊदी का साथ, 10 हजार सैनिकों की उम्मीद टूटी



दमिश्क। पश्चिमी एशिया में हाल ही में उस समय हलचल तेज हो गई थी, जब ऐसी खबरें सामने आई कि सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों के लगातार मिसाइल और ड्रोन हमलों के बीच सीरिया अपनी सेना सऊदी अरब और यमन में तैनात कर सकता है। शुरुआती दावों में कहा गया था कि सीरिया हजारों की संख्या में सैनिक भेजने की तैयारी कर रहा है, कुछ रिपोर्टों में यह संख्या 3,000 से 10,000 तक भी बताई गई। हालांकि, इन अटकलों पर अब विराम लग गया है, क्योंकि सीरिया ने यमन में अपनी सेना भेजने की सभी खबरों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। सीरियाई आधिकारिक चैनलों और सरकार से जुड़े सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि सऊदी अरब के साथ उसका सैन्य सहयोग केवल प्रशिक्षण, क्षमता बढ़ाने और अनुभव साझा करने तक सीमित है। सीरिया ने साफ तौर पर कहा है कि वह यमन में लड़ने के लिए लड़ाकू सैनिक नहीं भेजेगा। यह मामला तब और सुर्खियों में आया जब 7 नवंबर को सैन्य अधिकारियों ने बताया कि करीब 3,000 सीरियाई सैनिक सऊदी अरब और यमन में तैनात किए जा सकते हैं, जबकि कुछ अन्य सूत्रों ने दावा किया कि सैकड़ों सैनिक पहले ही सीमा के दोनों तरफ पहुंच चुके थे।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव खारिज

वाशिंगटन (अमेरिका)

अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में ग्रैंड ओल्ड पार्टी (रिपब्लिकन) प्रतिनिधि थामस मैसी का रक्षा सचिव (बदला पदनाम युद्ध सचिव) पीट हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव खारिज हो गया। यह मुख्य रूप से ईरान के साथ चल रहे युद्ध को लेकर था। हाउस ने 211 के मुकाबले 204 वोटों से इस प्रस्ताव को न्यायपालिका समिति के पास भेजने का फैसला किया। इसी के साथ इस प्रस्ताव ने अपना प्रभाव खो दिया।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मैसी अकेले ऐसे रिपब्लिकन हैं जिन्होंने सभी डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर इसके खिलाफ वोट दिया। मतदान के बाद मैसी ने कहा, मुझे हैरानी नहीं हुई, लेकिन निराशा जरूर हुई। कांग्रेस के बारे में मेरा आकलन यह है कि ये लोग जानते हैं कि क्या करना चाहिए। बस वे ऐसा करने की हिम्मत नहीं जुटा पाते, भले ही ऐसा करने से उन्हें राजनीतिक फायदा ही क्यों न हो।

केंटकी के रिपब्लिकन मैसी ने कहा था कि वह



हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग का कोई और प्रस्ताव नहीं लाएंगे। इस साल की शुरुआत में प्राइमरी चुनाव हारने के बाद वह जनवरी की शुरुआत में रिटायर हो रहे हैं। डेमोक्रेट्स अभी भी इस मुद्दे को आगे बढ़ा सकते हैं, खासकर तब जब जनवरी में दोनों सदनों (हाउस और सीनेट) पर उनका नियंत्रण वापस आ जाएगा। हाउस में अल्पसंख्यक नेता (माइनारिटी लीडर) और न्यूयार्क के डेमोक्रेट हकीम जेफ़रीज ने कहा, यह अंत नहीं है। यह तो बस शुरुआत है।

मैसी ने कहा कि अब वह युद्ध शक्तियों (वार पावर्स) से जुड़े एक प्रस्ताव पर मतदान कराने की योजना बना रहे हैं। मैसी ने कहा, हम देखेंगे कि वे सभी रिपब्लिकन, जिन्होंने कहा था कि अरे, हम युद्ध की वजह से चुनाव हार गए, क्या वे अब भी इसके पक्ष में वोट देते हैं महाभियोग प्रस्ताव में हेगसेथ पर कई आरोप लगाए गए थे। इनमें शामिल हैं- कांग्रेस की मंजूरी के बिना ईरान के साथ युद्ध शुरू करके अपने पद का दुरुपयोग करना, नागरिकों के नुकसान को कम करने के लिए बने कानूनों की अनदेखी करना, कैरेबियन में पेंटागन के बोट हमलों के दौरान गैर-न्यायिक हत्याओं का निर्देश देना, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के अपहरण का आदेश देना और डेमोक्रेटिक सीनेटर मार्क केली के खिलाफ बदले की कार्रवाई करना।

हेगसेथ ने प्रेस कान्फ्रेंस में महाभियोग की कोशिश की निंदा की और इसे एक तमाशा और राजनीतिक दिखावा बताया। हेगसेथ ने तर्क दिया, इनमें से कोई भी गंभीर अपराध या कदाचार नहीं है। ये केवल पक्षपातपूर्ण नीतिगत असहमति हैं, जो उन लोगों की तरफ से आ रही हैं जो हमारी सेना का राजनीतिकरण करना चाहते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने महाभियोग की कोशिश का मज़ाक उड़ाते हुए कहा कि यह बुरी तरह से फेल हो गई है!

अमेरिकी इतिहास में अब तक केवल दो कैबिनेट सचिवों पर महाभियोग चलाया गया है। 1876 में भ्रष्टाचार के एक मामले को लेकर युद्ध सचिव (सेक्रेटरी आफ वार) विलियम बेलनैप पर महाभियोग चलाया गया था और 2024 में दक्षिणी सीमा को संभालने के तरीके को लेकर होमलैंड सिक्योरिटी सचिव एलेजांद्रो मायोर्कास पर महाभियोग चलाया गया। सीनेट ने बेलनैप को बरी कर दिया, जबकि मायोर्कास के खिलाफ लगे आरोपों को खारिज कर दिया गया।

ट्रंप ने अपने प्रशासन की निर्वासन नीति का बचाव कर इसे बेहद मजबूत बताया

कहा- वह ऐसे आव्रजन समझौते के खिलाफ जिसमें प्रवासियों को आम माफी का प्रावधान हो

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आव्रजन संबंधी अपनी नीति को बेहद सख्त बताते हुए इसमें बदलाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ समझौता करने की संभावना जताने के बाद अपने प्रशासन की निर्वासन नीति का बचाव किया और कहा कि वह ऐसे किसी भी आव्रजन समझौते के खिलाफ हैं, जिसमें अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों को आम माफी देने का प्रावधान हो। ट्रंप की यह टिप्पणी गृहमंत्री मार्कवेन मुलिन के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें आव्रजन नीति पर मिलकर काम करने के इच्छुक डेमोक्रेटिक नेताओं के फोन आ रहे हैं, लेकिन वह ऐसे किसी भी समझौते के सख्त खिलाफ हैं, जिसमें अवैध प्रवासियों को आम माफी देने का प्रावधान हो।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मध्यावधि चुनावों से यह साफ हो गया कि मतदाता प्रशासन की सख्त आव्रजन नीतियों और उन्हें लागू करने के तरीकों से नाखुश हैं। ट्रंप और मुलिन की टिप्पणियों से चुनाव के बाद प्रशासन के विरोधाभासी संदेश सामने आए। इससे साफ होता है कि डेमोक्रेट्स के नियंत्रण वाली नई कांग्रेस के लिए आव्रजन के मुद्दे पर कोई आम सहमति बनाना कितना मुश्किल होगा। आव्रजन का विषय लंबे समय से कांग्रेस के सामने सबसे जटिल मुद्दों में से एक रहा है।

देश में अवैध रूप से रह रहे लोगों को अपनी कानूनी स्थिति नियमित करने का रास्ता देने वाले किसी भी समझौते को अक्सर आव्रजन विरोधी आलोचक आम माफी का नाम दे देते हैं, लेकिन इसके समर्थकों का कहना है कि जो लोग सालों से अमेरिका में रह रहे हैं, जिन्होंने यहां काम किया है और अपने परिवार बसाए हैं, उन्हें भी अपनी स्थिति कानूनी रूप से मजबूत बनाने का अवसर मिलना चाहिए।

ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि कोई रियायत नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी ने पूछा था कि क्या छूट मिलेगी नहीं, क्योंकि वे यहां आए थे और उन्हें कानून के बारे में पता था। ट्रंप ने अपने प्रशासन की निर्वासन नीति का बचाव करते हुए इसे बेहद मजबूत बताया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने आव्रजन नीति में बदलाव को लेकर अपने नए चीफ आफ स्टाफ स्टीफन मिलर से बात की है, तो ट्रंप ने कहा कि उन्होंने कोई बात नहीं की है। मिलर उनके आव्रजन संबंधी सख्त कदमों के प्रमुख रणनीतिकार रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि मेरी नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि ध्यान सबसे खतरनाक अपराधियों को देश से बाहर निकालने पर रहेगा।